MahayogiGorakhnath Krishi Vigyan Kendra, Chaukmafi (Peppeganj),
JangalKaudiya Gorakhpur, Uttar Pradesh-273165
Email: gorakhpurkvk2@gmail.com

दिनांक 13 फरवरी 2020 को महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र की द्वितीय वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रशिक्षण कक्ष में आयोजित की गयी । बैठक की अध्यक्षता प्रो. यू. पी. सिंह, उपाध्यक्ष, गुरु गोरक्षनाथ सेवा संस्थान तथा सदस्य सचिव के रूप में डॉ आर.पी. सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष,महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र तथा सदस्य के रूप में, डॉ. अतर सिंह, निदेशक अटारी कानपुर, श्री संजय सिंह उप निदेशक कृषि गोरखपुर / सचिव आत्मा, डॉ. टी. पी. मिश्रा, ए. डी., पशुपालन विभाग गोरखपुर, अनिल सिंह सहायक अभियंता, श्री बलजीत सिंह, जिला उद्यान अधिकारी गोरखपुर, श्री संजय कुमार यादव, कृषि रक्षा अधिकारी, गोरखपुर , श्री उग्रसेन सिंह, परियोजना निदेशक उ०प्र० बीज विकास निगम, गोरखपुर शामिल हुए ।इसके साथ ही साथ प्रगतिशील कृषक श्री रामनेवास मौर्या राखूखोर, बाबूराम मौर्य राखूखोर, श्री दिनेश कुमार निषाद, प्रधान रनाहडीह, श्री रविन्द्र कुमार सिंह, श्रीमती सीमा पाण्डेय आदि इस बैठक में सम्मिलित हुए । इस द्वितीय बैठक में सदस्य सचिव डॉ. आर.पी. सिंह द्वारा संक्षेप में वर्ष 2018-19 व 2019-20 का प्रगति प्रतिवेदन एवं वर्ष 2020-21 की कार्ययोजना प्रस्तुत की गयी। इसी क्रम में केन्द्र के विषय वस्तु विशेषज्ञों (डॉ. विवेक प्रताप सिंह-पशुपालन, श्री अवनीश कुमार सिंह-सस्य विज्ञान, श्री संदीप प्रकाश उपाध्याय-मृदा विज्ञान, डॉ. अजीत कुमार श्रीवास्तव-उद्यान विज्ञान एवं डॉ. राहुल कुमार सिंह-कृषि प्रसार) के द्वारा अपने-अपने विषय की विस्तृत प्रगति प्रतिवेदन एवं कार्य योजना प्रस्तुत की गयी ।जनपद में कृषकों की आय बढ़ाने हेतु नवीनतम कृषि तकनीकी के प्रचार-प्रसार हेतु निम्नलिखित सुझाव अध्यक्ष महोदय एवं सदस्यों के द्वारा दिए गए।

1. प्रो. यू. पी. सिंह –
   - अध्यक्ष जी नें सेवा संस्थान के आदर्शों पर चलते हुए कृषक हितार्थ कार्य करने हेतु निर्देश दिए । जिससे इस कृषि विज्ञान केन्द्र को खोलने का पूज्य महाराज श्री का सपना साकार हो सके । केन्द्र के समस्त कार्य समय पर किये जायें एवं समय से अग्रिम आदि का भुगतान किया जाय, निर्माण कार्य में गति लाने की जरुरत है ।
2. श्री संजय सिंहउप निदेशक कृषि / सचिव आत्मागोरखपुर
   - किसानों के मध्य नवीनतम प्रजातियों एवं तकनीकियों का प्रचार हो जिसे वह अपनाएं ।
   - श्री सिंह ने कहा कि वे केवीके के वैज्ञानिकों की कृषि विभाग के साथ सहभागिता एवं उपस्थिति से संतुष्ट हैं जिसके लिए उन्होंने टीम को बधाई दी।

- किसानों में जागरूकता फैलाने व बदलाव लाने पर जोर दिया तथा के.वी.के. से सहयोग की अपेक्षा की ।
- श्री सिंह ने कहा कि प्रबंधन तकनीकी अपनाएं जिससे कम लागत (उर्वरक, संसाधन, पानी) में अधिक उपज पैदा करें तभी किसानों की आय को दोगुना किया जा सकता है।
- श्री सिंह ने कहा कि कृषि विभाग कुछ कृषि उपकरणों पर अनुदान दे रहा है। किसानों तक लाभ पहुंचे इसके लिए सहयोग की अपेक्षा की।
- श्री सिंह ने कहा कि जलवायु में परिवर्तन के अनुसार प्रजाति का निरीक्षण कर ही किसानों को जानकारी दें।

3. डॉ टी. पी. मिश्रा, पशुपालन गोरखपुर
   - डॉक्टर मिश्रा ने कहा कि के.वी.के. संबंधित विभागों के साथ मिलकर आय दोगुनी करने के लक्ष्य को पा सकता है।
   - इसके लिए विभिन्न विषयों जैसे पशुपालन गृह विज्ञान तथा उद्यान आदि को मिलकर काम करना होगा।
   - उन्होंने कहा कि के.वी.के. गांव चिन्हित कर बताए पशुपालन विभाग वहां अपनी सेवा देगा व जितना हो सकेगा केवीके के साथ मिलकर काम करेगा।
   - गोरखपुर की परिस्थिति में बकरी पालन पर कार्य करें, जिसके लिए उन्नत प्रजाति के बकरे- जमुनापारी बरबरी आदि का उपयोग करें इससे दूध की भी उपलब्धता रहेगी।
   - पशुओं में टीकाकरण को बढ़ावा दें तथा गांवों में जनजागरण कार्य किये जाय।
   - किसानों को पशुधन बीमा योजना के विषय में बताएं और प्रोत्साहित कर पशुओ का बीमा करवाए। गांव चिन्हित कर योजना किसानों तक पहुंचाएं जिसमें वे साथ देंगे ।
4. श्री संजय कुमार यादव, जिला कृषि रक्षा अधिकारी, गोरखपुर
   - कृषकों को कृषि रक्षा ईकइयों से ज्यादा से ज्यादा कीटनाशी व जैविक कीटनाशी लेने के लिए प्रेरित करें इससे उनकों उचित मूल्य पर उचित दवा के साथ जानकारी भी मिल सकेगी ।
5. श्री उग्रसेन सिंह, परियोजना निदेशक, उ.प्र. बीज विकास निगम
   - श्री सिंह ने कहा कि के.वी.के. और बीज विकास निगम परस्पर सामंजस्य बनाकर कार्य करें और अधिक से अधिक उन्नत बीज किसानों तक पहुंचाने में हम लोग सफल हों ।
6. श्री वीरेन्द्र कुमार चौधरी, उद्यान विभाग, गोरखपुर
   - श्री चौधरी ने कहा कृषि विज्ञान केन्द्र से किसानों को तकनीकि जानकारी मिल रही है। उन्होनें केले की खेती के लिए उन्नत बीज की व्यवस्था हेतु सुझाव दिये ।

7. श्री अमित दूबे, गन्ना विकास विभाग, गोरखपुर,
    - श्री अमित दूबे ने गन्ना उत्पादन हेतु नवीनतम प्रजातियों के प्रचार प्रसार करने का सुझाव दिया
8. श्री देवेन्द्र शाही - गन्ना विभाग, सचिव, गोरखपुर
    - श्री शाही ने गन्ना विकास हेतु कृषकों को विभाग द्वारा दी जा रही सुविधाओं का लाभ लेने हेतु जानकारी दी।
9. श्री मुक्तेश्वरनाथ प्रजापति, बीज प्रमाणीकरण निरीक्षक, गोरखपुर
    - श्री प्रजापति ने के.वी.के. के सहयोग से किसानों को बीज उत्पादन का प्रशिक्षण देने हेतु सुझाव दिया जिससे किसान स्वयं का बीज उत्पादन कर सके।
10. डॉ० अतर सिंह,निदेशक,भाकृअनुप-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान, संस्थान (अटारी) कानपुर।
    - डॉ. सिंह ने सभी को सम्बोधित करते हुए कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रयासों की सराहना की और कृषि में विविधीकरण पर जोर दिया।
    - गेहूँ व धान से अलग हटकर किसानों को नयी फसलों के प्रति जागरुक कर आय बढ़ानें पर जोर दिया।
    - डॉ. राहुल कुमार सिंह के अनुरोध पर मौन पालन को बढ़ावा देने हेतु कृषकों को एफ. एल. डी. में मधुमक्खी के बाक्स को देने की अनुमति दिया गया।
    - डॉ. सिंह ने कृषकों के बीच के. वी. के. पहुंच बढ़ाने पर जोर दिया।